वी.यू. के वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा किया गया तेंदुए का शव परीक्षण

महाराजा मारतण्ड सिंह जू देव व्हाईट टाईगर सफारी, मुकुंदपुर, सतना (म.प्र.) से एक अस्वस्थ, घायल एवं उपचारित तेंदुआ, जिसे सामान्य वन मण्डल, उमरिया के वन परिक्षेत्र, पाली से दिनांक 23.12.2024 को ट्रेन से कटने के कारण चिकित्सकों के दल द्वारा घायल अवस्था में रेस्क्यू कर मुकुन्दपुर स्थानांतरित किया गया था। उस घायल तेंदुए को दिनांक 27.12.2024 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में बेहतर उपचार हेतु लाया गया था। प्राथमिक परीक्षण करने के उपरांत पाया गया कि तेंदुए की स्थिति गंभीर है एवं आगामी उपचार हेतु तेंदुआ को चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया था। दिनांक 03.01. 2025 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलगुरू प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा के निर्देशानुसार एक टीम गठित कर घायल तेंदुए की सर्जरी की गई, जो कि सफल रही। सर्जरी उपरांत तेंदुए की हालत में काफी तेजी से सुधार हो रहा था, तथा चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया था। किंतु विगत 02 दिवस से उसके तापमान में कमी दर्ज की गई आज दिनांक 18.01.2025 को प्रातः 06:00 बजे के लगभग उसकी मृत्यु हो गई। तेंदुए के मृत होने की जानकारी एवं शव परीक्षण हेतु वन विभाग को सूचित किया गया एवं उसके द्वारा मृत तेंदुए को शव–परीक्षण हेतु स्वीकृति प्रदान करने के उपरांत ही नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा जी के निर्देश तथा स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के प्रभारी संचालक, डॉ. आर. के. शर्मा के नेतृत्व में शव परीक्षण किये जाने हेतु विटनरी चिकित्सकों की टीम, जिसमें डॉ. देवेंन्द्र पोधाड़े, डॉ. निधि राजपूत भी शामिल थी ने मृत तेंदुए का शव परीक्षण लगभग 03:00 बजे किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर